



एक साझे सफ़र की झलक

नवम्बर 2022 में होशंगाबाद की मिट्टी एक बार फिर साक्षी बनी एक ऐतिहासिक और भावनात्मक पल की — जब HSTP (होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम) की 50 वर्षों की यात्रा और एकलव्य फाउंडेशन के 40 वर्षों की प्रतिबद्धता को याद किया गया, सराहा गया और जिया गया।

यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं था — यह एक पुनर्मिलन था। उन सपनों का, जो कभी कुछ युवा शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और समुदायों ने एक साथ देखे थे। यह एक मिलन था उन लोगों का, जिन्होंने विज्ञान को कक्षा की दीवारों से बाहर निकाल कर खेतों, गलियों और जीवन की सच्ची प्रयोगशाला में पहुँचाया। यह उन संघर्षों की कहानी भी थी, जिनमें विश्वास, प्रयोग और बदलाव की आंच जलती रही — कभी धीमी, कभी तेज़, लेकिन बुझी नहीं।

इस मौके पर हम सबने साथ मिलकर उन स्मृतियों को फिर से जीया — चित्रों, किस्सों, गीतों और संवादों के माध्यम से। पुराने साथी लौटे, नए चेहरे जुड़े, और एक साझा इतिहास ने सबको एक अदृश्य धागे से जोड़ा। कार्यक्रम के हर क्षण में एक गूंज थी — उस विचार की, जो शिक्षा को सवालों से जोड़ता है, जिज्ञासा को मूल्य देता है, और सीखने को जीवन का हिस्सा बनाता है।

आज, हम गर्व और गहराई के साथ उस कार्यक्रम की यादों को आप सभी के साथ साझा कर रहे हैं — इस फोटोबुक के माध्यम से।



इन पलों को हमने तस्वीरों में सिर्फ कैद नहीं किया है, उन्हें महसूस किया है, जिया है,. और सहेजा है, जैसे कोई गीत, जो वर्षों बाद भी कानों में गूंजता है।

ये चित्र केवल आँखों से देखे जाने वाले दृश्य नहीं, बल्कि उस भावना की झलक हैं जो हमें जोड़े रखती है — हमारे साझा सपनों और संघर्षों की, और उस अदृश्य डोर की, जो एकलव्य को "हम" बनाती है।





वर्ष 2022 एकलव्य की यात्रा में एक विशेष मोड़ लेकर आया। यह वो साल था जब हमने अपने पिछले 40 वर्षों की यादों, संघर्षों, सीखों और रिश्तों को गहराई से महसूस किया — उन साथियों के साथ मिलकर, जिन्होंने इस सफर को अर्थ दिया। इस आयोजन में एक बार फिर मिलकर न केवल बीते वक्त को याद किया, बल्कि उस भाव को भी जिया, जो एकलव्य को एक संस्था से कहीं अधिक — एक परिवार, एक आंदोलन, एक विचारधारा बनाता है।















































































































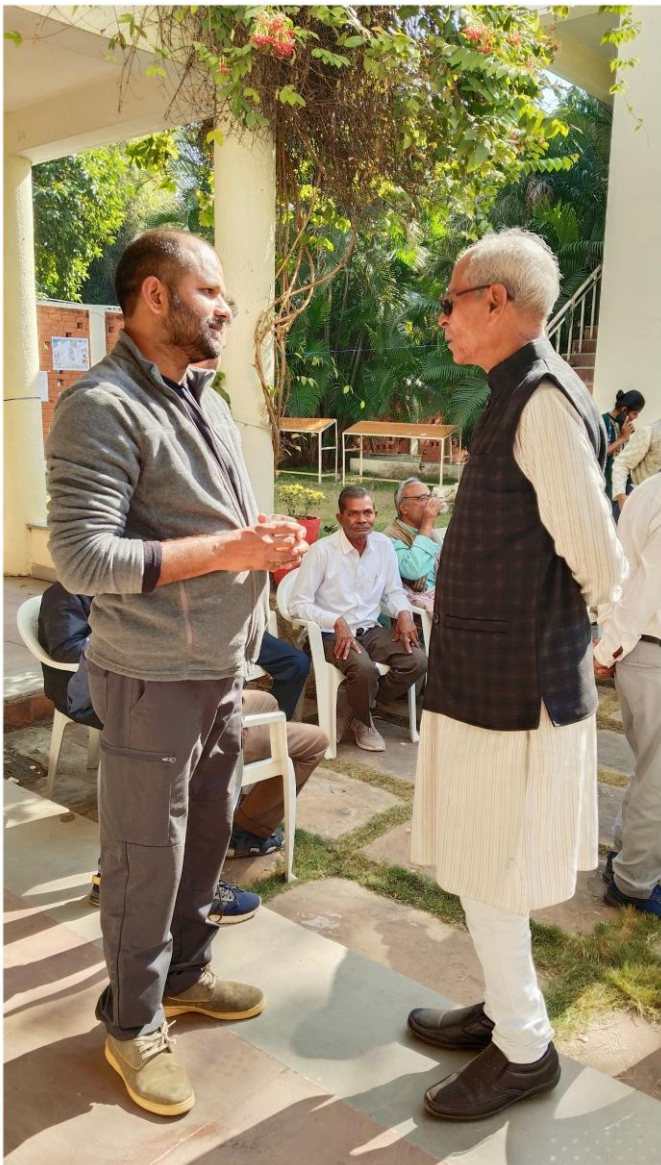


जो साथ जी लिया, वही हमारी थाती है





REUNION # दास्तान ए रफू



REUNION # CONSTRUCTIVE DIOLOUGUE



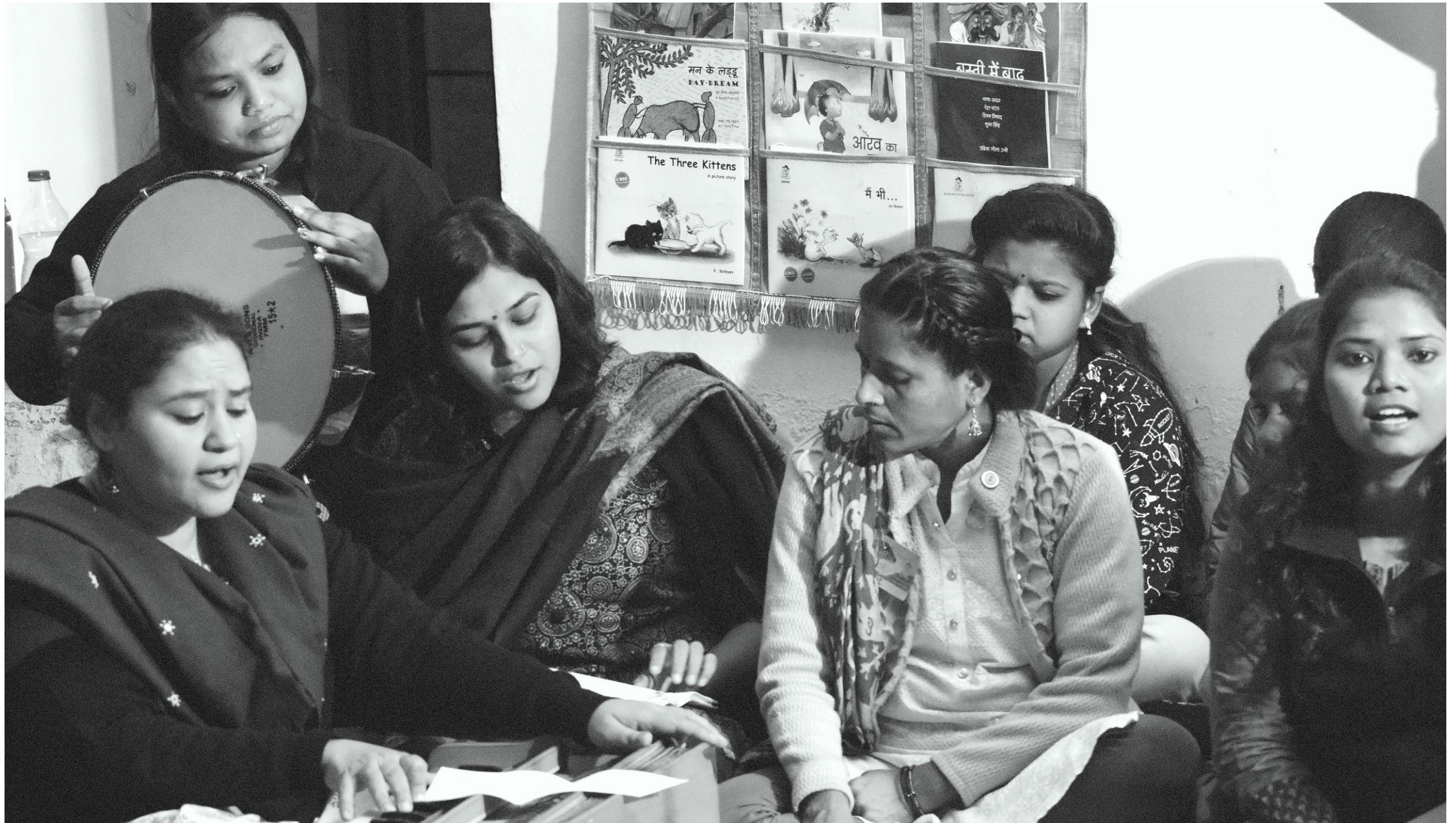
Reunion # old pal



Reunion # the witnesses of transtion































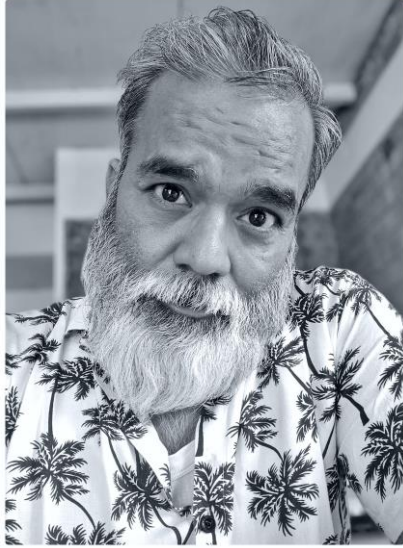












फोटोग्राफी & एडिटिंग

जब शिक्षा साझी होती है, तभी समाज सबका होता है, एकलव्य से हम यह लगातार सीख रहे होते हैं कि सबसे दूर, सबसे हाशिए पर खड़े जीवन भी तब बदलते हैं जब शिक्षा न्याय, सहयोग और रचनात्मकता के मूल्यों से गूंथी जाती है।